







संपादकीय

## सफलता का अचूक सूत्र

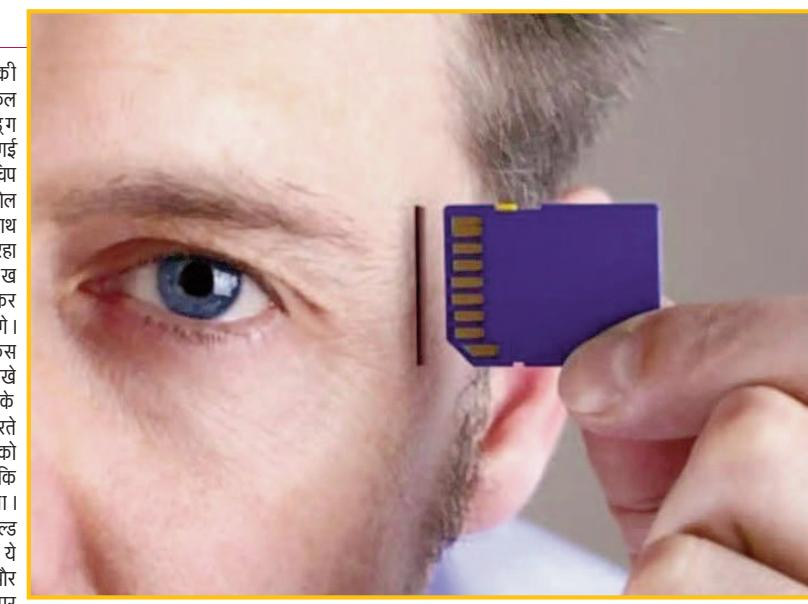
सफलता अपने जीवन को सही दिशा प्रदान करती है बशर्ते वह हमारे कदम सही दिशा के और बिना अहं का लक्ष्य हो। हर एक दिल में कोई ना कोई अरमान जरूर होते हैं। और अपने अरमानों को पूरा करने के लिए हर इंसान कोशिश करता है। कुछ अपने अरमानों को पूरा करने में सफल होते हैं और कुछ असफल होते हैं। अगर हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें दर्द को अपना दोस्त बनाना होगा। करियर भी कुछ-कुछ जिंदगी जैसा ही होता है जिंदगी की तरह ही करियर में भी काफी उत्ता-चढ़ाव, सफलता-विफलता आदि देखने के बाद ही कामयाची मिलती है। हालांकि जिंदगी में जैसे-जैसे हम अपने सफर पर आगे बढ़ेंगे वैसे ही हम स्वयं को ज्यादा खोया हुआ और निश्च महसूस करेंगे ऐसे समय में हमअपने लक्ष्य से पीछे हटना चाहेंगे क्योंकि हमारा आत्मविश्वास डगमगा रहा होगा।

यही वह समय होगा जब हमें अपने लक्ष्य के प्रति अंडिंग रहना होगा और स्वयं को प्रोत्साहित करना होगा। अतः असफलता ही सफलताको जननी है। उमणित मन तो अपनी लक्ष्य का आधा रस्ता अपने ओज़ और उत्साह से ही जीत लेता है। बाकी का आधा अपनीआत्मशक्ति से तय कर लेता है। अतः उत्साह से परिपूर्ण हो हमारा दिल तभी बन सकते हैं हम सफलता के काबिल। हम यह कभी न कहेंगे हो गए असफल। क्योंकि हमारा लक्ष्य है अपने प्रयास के अंतिम छोर तक पहुँचने का।



प्रदीप छाजेड़  
( बोरावड़ )

माइक्रोन-एकेल थेड़स को ब्रेन के ऊपरी में डाला जाएगा जो मूवमेंट को कंट्रोल करते हैं। हर एक थेड़ में कई इलेक्ट्रोड होते हैं, जिसे वह लिंक इम्प्लांट से जोड़ता है। लिंक पर थेड़ इतने महीन और लायील होते हैं कि उन्हें मानव हाथ से नियंत्रण करने में समय में हमअपने लक्ष्य से पीछे हटना चाहेंगे।



शशांक द्विदेवी

पिछले दिनों उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक को ब्रेन-चिप के विलनिकल द्रायल के लिए अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एडीए) से मजूरी मिल गई है। ये कंपनी इंसानों के दिमाग में कंप्यूटर चिप लगाएगी जिसका मदद से हूमान ब्रेन को कंट्रोल किया जा सकता और ये सोच कंप्यूटर के साथ कंनेक्ट होगा। अगर यह द्रायल कामयाब रहा तो चिप के जरिये ब्लाइंड इंसान भी देख सकेंगे। पैरालिंसिस से पीड़ित मरीज सोचकर मोबाइल और कंप्यूटर ऑपरेट कर सकेंगे। एलन मस्क की कंपनी ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस पर काम कर रही है। ये सिस्टम ब्रेन में रखे गए छोटे इलेक्ट्रोड का इन्सेमल पास के न्यूरॉन्स से संकेतों को 'पढ़ने' के लिए करते हैं। इसके बाद सोचकर इन सिग्नल्स को कामयाचा एवं इन में डिकोड करता है, जैसे कि कर्सर या रोबोटिक आर्म को हालान। न्यूरालिंक चिप एक छोटी-सी एआई इनेवल्ड चिप होगी जो हूमान माइड को रीड करेगी। ये न्यूरालिंक चिप कंप्यूटर से कंनेक्ट होगी और इंसान बिना बोते भी कंप्यूटर और मोबाइल पर काम कर पाएगा। यानी चिप अपाके माइड रीड करेगी और बिना बोते सारे एक्शन होते रहेंगे। न्यूरालिंक ने सिक्के के आकार का एक डिवाइस कंप्यूटर, मोबाइल फोन या किसी अन्य उपकरण को ब्रेन परिवर्तिटी (न्यूरल इम्प्लांट) से सोच कंट्रोल करने में सक्षम करता है। उदाहरण के लिए पैरालिंसिस से पीड़ित व्यक्ति के मरिस्क्व में चिप लगाने के बाद वह क्षमता प्राप्त कर सकता है। न्यूरालिंक चिप के अलावा एक रोबोट भी बना रही है, जो चिप को ऑटोमेटिक तरीके से कान के पिछले हिस्से के अंदर से दिमाग में लगाएगा। रोबोट चिप से जिन लातों तारों से जुड़े होंगे। प्रेजेंटेशन के दौरान कंपनी ने एक बंदर को अपने न्यूरालिंक इंटरफ़ेस के माध्यम से कुछ बैंसिक वीडियो गेम 'खेलते' या स्क्रीन पर कार्सर ले जाते हुए दिखाया। मस्क ने कहा कि कंपनी ऐसी क्षमताओं को खो नुके इंसानों में दोबारा गतिशीलता लाने के लिए प्रत्यारोपण का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी। भविष्य में, चिप के इस्तेमाल रोबोट के तौर पर किया जा सकेगा। ये उन तमाम लोगों के लिए तो बहुत उत्तमी ही सकती है जो चल-फिर भी सकते हैं।

कंप्यूटर से कंनेक्ट किया गया था। सुअर जब ट्रेडिमिल पर अपने पैर बढ़ाता था चारे की ओर मुँह करता तो उसके मवमेंट के बारे में उसकी दिमागी हरकतों की जानकारी सिंगल के जरिये मिल रही थी। सुअर गाले चिप में 1024 इलेक्ट्रोड लगे थे, लेकिन इंसानों के लिए न्यूरालिंक जो चिप बना रही है, उसमें 3000 से ज्यादा इलेक्ट्रोड होंगे। ये बाल की मोटाई के बीचवे दिस्से जिन पाले तारों से जुड़े होंगे। प्रेजेंटेशन के दौरान कंपनी ने एक बंदर को अपने न्यूरालिंक इंटरफ़ेस के माध्यम से कुछ बैंसिक वीडियो गेम 'खेलते' या स्क्रीन पर कार्सर ले जाते हुए दिखाया। मस्क ने कहा कि कंपनी ऐसी क्षमताओं को खो नुके इंसानों में दोबारा गतिशीलता लाने के लिए प्रत्यारोपण का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी। भविष्य में, चिप के इस्तेमाल पार्डाई, गेमिंग और मेडिकल डिवाइस के तौर पर किया जा सकेगा। ये उन तमाम लोगों के लिए तो बहुत उत्तमी ही सकती है जो चल-फिर भी सकते हैं।

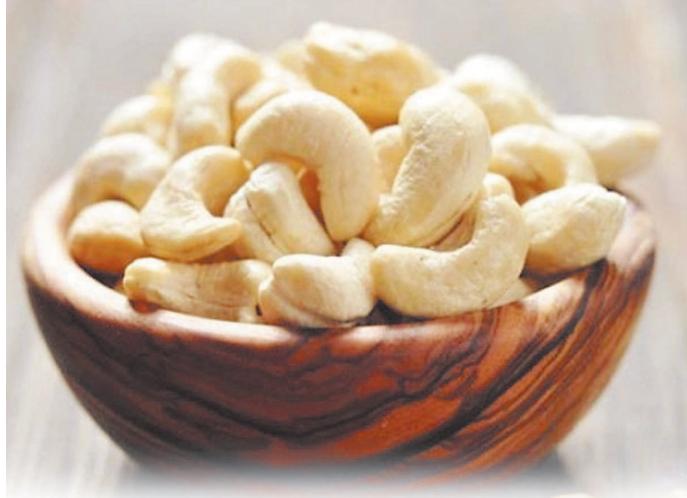
### आज का राशीफल

<b>मेष</b>	जीवन साथी का साथयोग व सानिध्य मिलेगा। जोकी के अवसर बढ़ेंगे। आधिक संकट का समाप्त करना पड़ेगा। जिसी भूलवालन क्षमता के साथ या सोची जी असंक्षिप्त है।
<b>वृषभ</b>	आधिक समालों में सुधार होगा। यात्रा देशदान की विश्वासीक भूलवालन क्षमता में भाग लेंगे। यात्रावीकरक महालक्षणों की पूर्ण होगी। संतान के दायित्व की पूर्ण होगी।
<b>मिथुन</b>	परिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कान के सम्पर्क में स्वास्थ्य से अपाके प्राप्त तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकता है। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
<b>कर्क</b>	आधिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतिवेशिका के क्षेत्र में आवासात्मक सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से साथयोग लेने में सफल होगी। विभागीय सम्पर्कों आ सकती है।
<b>सिंह</b>	परिवारिक जीवन के साथ सुखद समय गुप्तेगा। संतान के दायित्व की पूर्ण होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। लगभग ऐसे के लेन-देन में साक्षात्कार रहेंगे। किसी रिसेवेदार के कारण तनाव हो सकता है।
<b>कन्या</b>	जीवन साथी का साथयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रीत बनेंगे। उदार रक्षा या त्वचा के रोग से पीड़ित होंगे। मानविक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। बाह्य प्रयोग में साक्षात्कार होता है।
<b>तुला</b>	प्रतिवारिक परिवारों में सहलता मिलेगी। किया गया आम साथीक होगा। सर्वाधित अधिकारों के कृपा पान होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाह होंगे।
<b>वृश्चिक</b>	दायित्व जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्पादन का लाभ होगा। आय और व्यय में सुरक्षा बनाकर रहें। राजभौमिक महालक्षणों की पूर्ण होगी। सम्पुर्ण लक्ष्य से लाभ होगा। व्यवध की प्रतिवेशी के पास बढ़ते होंगे।
<b>धनु</b>	संतान के दायित्व की पूर्ण होगी। सामाजिक प्रतिवेशी के बढ़ते होंगे। नेतृत्व विकास की संभवता है। मन असान होगा। जीविका के क्षेत्र में अप्राप्ति होगी। स्वस्थ्य एवं प्रीति की संभवत होंगे।
<b>मकर</b>	परिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्पादन का लाभ मिलेगा। सर्वाधित अधिकारों से तान लिया गया। स्वस्थ्य के प्रति संतान के संबंध में वृद्धि होंगे। सुसुलत पक्ष से लाभ होगा। कोई परिवारिक व आचारसाधिक समस्या आ सकती है।
<b>क्रम्भ</b>	जीवन साथी का साथयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी जीवन भूलवालन से बचना चाहिए। उपहार व सम्पादन का लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में विशेष का सहयोग मिलेगा। प्रेम व्याप्रगाह होंगे।
<b>मीन</b>	परिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में विशेष का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में विशेष का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

## रक्षा क्षेत्र में बढ़ता उत्पादन भारत को बनाएगा 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था

( लेखक - प्रह्लाद सरवानी )

भारत पृथ्वी पूर्व तक रक्षा के क्षेत्र में पूर्णतः आयातित उत्पादों पर ही निर्भर रहता था। छोटे से छोटा उत्पाद भी विकसित देशों से आयात किया जाता रहा है। परंतु, हाल ही के समय में भारत ने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की ओर अपने कदम बढ़ा दिये हैं। हाल ही में रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक जानकारी के अनुसार, भारत में त्रिवेत्ता वर्ष 2020 में ब्रेन रक्षा क्षेत्रों के बाने उत्पादों का पूरी तरह से इम्पॉर्ट करने की ओर से जुड़े होते हैं। ये चिप के लिए इम्प्लांट तो जोड़ता है। लिंक पर थेड़ इतने महीन और लायील होते हैं कि उन्हें मानव हाथ से नहीं डाला जा सकता है। इसके बाद चिप के लिए एक रोबोट नियंत्रण के लिए एक रोबोट नियंत्रिक एक थोड़ा तरह से जुड़े होत



# उत्तम औषधि है काजू

मेरे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है। व्योकि मेवा स्वाद की नहीं बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उत्तम ही फायदेमंद है। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता है जो उच्च चर्चत्वाप को कम करने में और दिल के दौररो को रोकने में मदद करता है। काजू कॉलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है जो बैंडी वाले हड्डियों का नज़्बूत बनाती है। इसे मिठाइ में काजू कत्ती ही या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शान्ति बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मैग्नीशियम, फॉर्मफोरस, सेलेनियम, और तांबा का अच्छा स्रोत है। काजू का तेल, रक्तीं मस्ता और रिंगवर्म के उत्तरार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7-10 काजू का सेवन कर सकते हैं। काजू खाने से मसूड़ा और दातों का स्वस्थ रखता है। काजू में मानों सैक्यूरिट फैट होता है जो की दिल का स्वस्थ रखता है और दिल की बीमारियों के खारे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ऑक्सिडेंट भी होते हैं जो कैसर से बचाव करता है। काजू पाचन शक्ति को बढ़ाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भी गैस कम किया जा सकता है। काजू में पाए जानवाले काइटो-फॉर्मिलास केरास और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मनोरोग हैं उन्हें तांबा, रस्ते से होने एक आम सा समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए। काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।



## पेटीएम के शेयर ने 6 दिनों में लगाई 20 फीसदी छलांग

नई दिल्ली। पेटीएम की पैटेंट कंपनी वन97 कम्पनिकेशन का शेयर एक साल के उच्चस्त स्तर 864.40 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। एमएसडी पर बाद में यह शेयर 2 फीसदी की तेजी के साथ 850 रुपए के भाव पर बढ़ दुआ। मासिक आधार पर पेटीएम शेयर दिसंबर 2022 से लगातार ग्रीन जीन में बढ़ा हुआ है। पिछले 6 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी की दमदार रेती देखी गई है। पेटीएम का मार्च 2023 तिमाही का वित्तीय प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रहा है। यही कारण है कि लांग टाइम के लिए पेटीएम को लेकर बोकेज का रुख सकारात्मक है। पेटीएम शेयर 8 अगस्त 2022 को क्लूग एग 844.40 रुपए के अपने पिछले उच्च स्तर को पार कर गया। इस क्लिंपिंग शेयर का सार्वजनिक उच्च स्तर 1961 रुपए है। इस स्तर को इस शेयर 197 नवंबर 2021 को छुआ था। वहीं इसका कॉर्डोंग लो 439.60 रुपए है। अपने निकाउंड लो के मुकाबले यह शेयर अब 94 फीसदी चढ़ चुका है। हालिया तेजी के बाद कंपनी का मार्केट कैप भी बढ़कर 54,314.30 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले 6 महीने में पेटीएम के शेयरों में 61 फीसदी दबावर तेजी आई है। किंतु रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म वेफा सिक्युरिटीज ने पेटीएम इंडस्ट्री में कंपनी की मजबूत स्थिति को देखते हुए इस स्टॉक की रेटिंग अपग्रेड करते हुए शेयर कर दी है। इसके साथ ही ब्रोकरेज ने टारगेट प्राइस को भी बढ़ाकर 885 रुपए प्रति शेयर कर दिया है।

## यूएस फेड ने ब्याज दरों द्वितीय रुखी,

## लगातार 10 बार बढ़ोतारी के बाद लगी रोक

बांगिंगटन। अमेरिका की मानेटरी पॉलिसी कमिटी (यूपीस फेडल रिजर्व) ने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। इससे पहले लगातार 10 बार ब्याज की दरों में बढ़ोतारी की गई थी। बता दें कि अमेरिका में महाईं को कबूल करने के लिए बैंक ने ब्याज दरों में बढ़ोतारी का फैसला लिया था। इससे भारत के लिए ब्याज पर भी बढ़ाव चाहा गया था। गुरुवार को फेडल बैंक के रुख को देखते हुए शेयर बाजार में तेजी देखी गई। इसके अलावा भारतीय रुपये डॉलर के मुकाबले 15 फीसदी की बढ़त के साथ बढ़ दुआ। इससे पहले अमेरिका की मानेटरी पॉलिसी कमिटी (यूपीस फेडल रिजर्व) ने महाईं को भी पीसदी पर ले जाने के लक्ष्य को प्रभावित करने के लिए प्रमुख ब्याज दरों को और 25 बेसिस बैंडिंग ब्याज दिया है। यूपीस फेड ने यह फैसला 2-3 महीनों की दूरी के बैंक के बाद दिया है। ब्याज दरों को 25 बेसिस बैंडिंग ब्याज 5 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत कर दिया गया है। समिति ने कहा कि वह मुद्रासमीति के जोखिम को लेकर अत्यधिक सतरक है। ताजा बढ़ोतारी मार्क की बैंकों में पिछली दर वृद्धि के समान ही थी और इसने लगातार दसवीं दर वृद्धि को चिह्नित किया। इससे पहले मार्क में भी ब्याज दरों में समान इजाफा की गया है। फेड की ओर से लगातार दसवीं बार ब्याज दरों में वृद्धि की गई है।

## देश में स्वास्थ्य पर्यटन से पिछले दशक में 740 करोड़ डॉलर आय हुई

कोलकाता। भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य पर्यटन से 740 करोड़ डॉलर की आय अर्जित की है और अगले 10 साल में यह आंकड़ा बढ़कर 4,350 करोड़ डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स इंस्टीट्यूट के लिए बैंकों के ब्याज दरों में बढ़ोतारी का फैसला लिया था। इससे भारत के लिए ब्याज पर भी बढ़ाव चाहा गया था। गुरुवार को फेडल बैंक के रुख को देखते हुए शेयर बाजार में तेजी देखी गई। इसके अलावा भारतीय रुपये डॉलर के मुकाबले 15 फीसदी की बढ़त के साथ बढ़ दुआ। इससे पहले अमेरिका की मानेटरी पॉलिसी कमिटी (यूपीस फेडल रिजर्व) ने महाईं को भी पीसदी पर ले जाने के लक्ष्य को प्रभावित करने के लिए प्रमुख ब्याज दरों को और 25 बेसिस बैंडिंग ब्याज दिया है। यूपीस फेड ने यह फैसला 2-3 महीनों की दूरी के बैंक के बाद दिया है। ब्याज दरों को 25 बेसिस बैंडिंग ब्याज 5 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत कर दिया गया है। समिति ने कहा कि वह मुद्रासमीति के जोखिम को लेकर अत्यधिक सतरक है। ताजा बढ़ोतारी मार्क की बैंकों में पिछली दर वृद्धि के समान ही थी और इसने लगातार दसवीं दर वृद्धि को चिह्नित किया। इससे पहले मार्क में भी ब्याज दरों में समान इजाफा की गया है। फेड की ओर से लगातार दसवीं बार ब्याज दरों में वृद्धि की गई है।

देश में स्वास्थ्य पर्यटन से पिछले दशक में 740 करोड़ डॉलर आय हुई

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने फॉर्मिंस हेल्थकेयर में ऐसे की देखाए और इसे छिपाने को नहीं चुकाने पर भेजा गया है। इसके के लिए जिनीन के मामले में चारों कंपनियों को 15 दिन के अंदर 4,56 करोड़ रुपए जमा करने के लिए कहा गया है। इसमें हर्जना राशि के साथ ब्याज भी है। बैंकों ने इन खरीदारों के लिए अपार कंपनियों की स्थिति ने फॉर्मिंस ग्लोबल वेल्थकेर आरएचसी फाइंडेंस, शिमल हेल्थकेयर और एनएआर सिक्युरिटीज ने नोटिस भेजे जाए। इसके अलावा भारतीय परिवर्तन के प्रति संवेदनशील है, इन्फोर्म वार्काप्टिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के साथ-साथ सरकार को पर्यावरण को आग्रा में खेते हुए अच्छे बदलाव लाने की जरूरत है।

# भारत की ई-अर्थव्यवस्था 2030 तक 1 ट्रिलियन होने की उम्मीद: रिपोर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

गृह, टेमासेक और बैन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ईंटरनेट अर्थव्यवस्था 2022 में लगभग 1.5 बिलियन डॉलर की खपत से एक ट्रिलियन की ओर बढ़ रही है, जो उपभोक्ता व्यवहार और व्यापार परिस्थितिकी तंत्र के विकास में निरंतर बदलाव के कारण है। यह ग्रोथ ऐसे उपभोक्ताओं पर केंद्रित होगी जो अपनी घरेलू आय को 2020 तक देखना कर लेंगे। उपभोक्ता व्यवहार के सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ एसे उपभोक्ताओं के लिए खाली पानी और अधिक आयात किया जाता है। देश में सालाना करीब 24 एसटी खाद्य तेल की खपत होती है। इसमें से करीब 14 एसटी खाद्य तेल आयात किया जाता है। आयात शुल्क घटाने के बाद से अब कच्चा खाद्य तेल यानी कच्चा पानी तेल, कच्चा समफ्लार तेल और कच्चा सोया तेल के आयात पर 5 फीसदी ही आयात शुल्क लगेगा और फिर इन पर वह ग्रामीण टैक्स 5.5 फीसदी ही जाएगा। रिफाइनर्ड ऑयल में 12.5 फीसदी आयात किया जाता है। बैंकों ने इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य और इस पर 10 फीसदी सेस लगाना। अप्रैल में यहाँ-रू-महीने आयात पर बैंकोंटेल ऑयल और गैर-खाद्य तेल (खाद्य और गैर-खाद्य तेल) के आयात में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य रखना जारी रखेगा, जो 2030 तक पंच-चौंहा गुण बढ़कर लगभग 350-380 बिलियन डॉलर हो जाएगा।

ऑनलाइन खरीदार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ईंटरनेट अर्थव्यवस्था 2022 में लगभग 1.5 बिलियन डॉलर की खपत से एक ट्रिलियन की ओर बढ़ रही है, जो उपभोक्ता व्यवहार और व्यापार परिस्थितिकी तंत्र के विकास में निरंतर बदलाव के कारण है। यह ग्रोथ ऐसे उपभोक्ताओं पर केंद्रित होगी जो अपनी घरेलू आय को 2020 तक देखना कर लेंगे। उपभोक्ता व्यवहार के सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ एसे उपभोक्ताओं के लिए खाली पानी और अधिक आयात किया जाता है। देश में सालाना करीब 24 एसटी खाद्य तेल की खपत होती है। इसमें से करीब 14 एसटी खाद्य तेल आयात किया जाता है। आयात शुल्क घटाने के बाद से अब कच्चा खाद्य तेल यानी कच्चा पानी तेल, कच्चा समफ्लार तेल और कच्चा सोया तेल के आयात पर 5 फीसदी ही आयात शुल्क लगेगा और फिर इन पर वह ग्रामीण टैक्स 5.5 फीसदी ही जाएगा। रिफाइनर्ड ऑयल में 12.5 फीसदी आयात किया जाता है। बैंकों ने इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य और इस पर 10 फीसदी सेस लगाना। अप्रैल में यहाँ-रू-महीने आयात पर बैंकोंटेल ऑयल और गैर-खाद्य तेल (खाद्य और गैर-खाद्य तेल) के आयात में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य रखना जारी रखेगा, जो 2030 तक पंच-चौंहा गुण बढ़कर लगभग 350-380 बिलियन डॉलर हो जाएगा।

मांग के बराबर हो सकती है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि बिजेनेस-टॉक-जॉयर में 13.75 फीसदी की व्यापार सेवाओं के सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ एसे उपभोक्ताओं पर केंद्रित होगी जो अपनी घरेलू आय को 2020 तक देखना कर लेंगे। उपभोक्ता व्यवहार के सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ग्रोथ एसे उपभोक्ताओं के लिए खाली पानी और अधिक आयात किया जाता है। देश में सालाना करीब 24 एसटी खाद्य तेल की खपत होती है। इसमें से करीब 14 एसटी खाद्य तेल आयात किया जाता है। आयात शुल्क घटाने के बाद से अब कच्चा खाद्य तेल यानी कच्चा पानी तेल, कच्चा समफ्लार तेल और कच्चा सोया तेल के आयात पर 5 फीसदी ही आयात शुल्क लगेगा और फिर इन पर वह ग्रामीण टैक्स 5.5 फीसदी ही जाएगा। रिफाइनर्ड ऑयल में 12.5 फीसदी आयात किया जाता है। बैंकों ने इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य और इस पर 10 फीसदी सेस लगाना। अप्रैल में यहाँ-रू-महीने आयात पर बैंकोंटेल ऑयल और गैर-खाद्य तेल (खाद्य और गैर-खाद्य तेल) के आयात में 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। जबकि इस दौरान जापान आयात एक एसटी खाद्य रखना जारी रखेगा, जो 2030 तक पंच-चौंहा



